

Subject - हिन्दी

Grade/Class - दसवीं

Chapter Number of NCERT Text Book- 6

Title Chapter from NCERT Text Book (Kavita Top)

(कविता – तोप)

11. Question Bank (प्रश्न बैंक)

लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर -

1) कवि और कविता का नाम बताओ?

उत्तर : कवि - वीरेन डंगवाल

कविता - तोप

2) कंपनी बाग में कौन आता है ?

उत्तर : कंपनी बाग में घूमने के लिए कई सैलानी आते हैं।

3) चिड़िया तोप का क्या लाभ उठाती है?

उत्तर : चिड़ियाँ तोप पर बैठ कर आपस में गपशप लड़ाती हैं और कभी कभी शैतानियाँ करते हुए तोप के खाली भाग के भीतर घुसकर मानो लुका-छिपी का खेल खेलती प्रतीत होती हैं।

4) 'ज़बर' का क्या अर्थ है?

उत्तर : 'ज़बर' का अर्थ है - ज़बरदस्त अर्थात् शक्तिशाली।

5) तोप को कितनी बार चमकाया जाता है?

उत्तर : तोप को दो बार चमकाया जाता है।

अति लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर -

1) तोप को कब चमकाया जाता है?

उत्तर : तोप को स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस पर वर्ष में दो बार चमकाया जाता है।

2) तोप को कहाँ रखा गया है और तोप कब की है?

उत्तर : तोप को कंपनी बाग के प्रदेश द्वार पर रखा गया है। यह तोप 1857 ई. में स्वतंत्रता सेनानियों के विद्रोह को रोकने के लिए अंग्रेजी सेना द्वारा प्रयोग में लाई जाती थी।

3) वर्तमान में तोप का प्रयोग कौन और कैसे करता है ?

उत्तर : वर्तमान में तोप का प्रयोग बाग में घूमने आए छोटे-छोटे बच्चे घुड़सवारी के लिए और छोटी चिड़ियाँ आपस में गपशप लगाने के लिए करती हैं

4) एक दिन तो होना ही है उसका मुँह बंद पंक्तियों का भाव स्पष्ट करें ।

उत्तर : इस कथन के माध्यम से कवि कहना चाहता है कि चाहे कोई कितना भी शक्तिशाली क्यों न हो, परंतु एक समय ऐसा भी आता है जब उसकी शक्तियों का अंत हो जाता है।

5) विरासत किसे कहते हैं, उदाहरण देकर स्पष्ट करें।

उत्तर : विरासत अपने पूर्वजों से प्राप्त वस्तुओं को कहा जाता है, जैसे दादा-दादी या नाना-नानी द्वारा दिए गए गहनों, बर्तनों अथवा जायदाद को भी विरासत माना जाता है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्नोत्तर -

1) कविता 'तोप' का मूल उद्देश्य स्पष्ट करें ?

उत्तर : वीरेन डंगवाल रचित कविता तोप एक उद्देश्यपूर्ण रचना है। इस कविता के माध्यम से कवि ने बताया है कि कुछ समय तक तो शक्ति के प्रयोग द्वारा लोगों को सताया और दबाया जा सकता है परंतु यह शक्ति सदैव कायम नहीं रहती। जनता जाग्रत होने पर विरोध प्रकट करती है, और जब यह विरोध सामूहिक रूप से एकत्रित होकर अन्याय के विरुद्ध आवाज़ उठाता है तो शक्तिशाली को भी नतमस्तक होना ही पड़ता है।

2) इस कविता के द्वारा 'तोप' के विषय में क्या जानकारी मिलती है, इस हथियार का प्रयोग क्यों किया जाता था?

उत्तर : इस कविता के द्वारा पता चलता है कि कंपनी बाग के प्रवेश द्वार पर एक तोप रखी गई है। यह तोप सन् 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के समय अंग्रेजी सेना द्वारा स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने वाले वीर सैनिकों पर प्रयोग की गई थी। इसे वर्ष में दो बार चमकाया जाता है। यह तोप बहुत क्रूर और अत्याचारी थी लेकिन समय का चक्र बहुत बलवान होने के कारण अब यह निस्तेज हो चुकी है और इसका प्रयोग बाग में घूमने आए बच्चे घुड़सवारी के लिए करते हैं। छोटी-छोटी चिड़ियाँ भी इसका प्रयोग आनंदपूर्वक गपशप के लिए करती हैं। इस हथियार का प्रयोग अंग्रेजी सेना भारतवासियों द्वारा किए जाने वाले विरोध को रोकने के लिए करती थी।

मूल्यपरक प्रश्नोत्तर-

- 1) आप अपने पूर्वजों द्वारा धरोहर स्वरूप प्राप्त वस्तुओं की संभाल कैसे करते हो, विरासत में मिली कुछ वस्तुओं का वर्णन भी करें।

उत्तर : हम अपने पूर्वजों द्वारा धरोहर स्वरूप प्राप्त वस्तुओं को अपने स्वजनों से मिली निशानियों के रूप में बहुत संभाल कर रखते हैं। इन वस्तुओं के साथ हमारे बुजुर्गों की यादें जुड़ी होने के कारण यह वस्तुएँ हमारे लिए अनमोल हैं। अपने पूर्वजों से प्राप्त अच्छी अथवा बुरी दोनों ही प्रकार की धरोहर बहुत काम की है क्योंकि इनके साथ जीवन की बहुत बड़ी सीख भी जुड़ी होती है जो जीवन पथ पर मार्गदर्शन भी करती है। मुझे विरासत में कुछ आभूषण, सिक्के तथा दुर्लभ बर्तन भी प्राप्त हैं। ये वस्तुएँ मुझे सदैव प्रिय रहती हैं क्योंकि यह मुझे प्राचीन समाज की जानकारी देने के साथ-साथ बहुत सारे अंतर भी स्पष्ट करती है।

उच्चक्रम सोच कौशल पर आधारित प्रश्नोत्तर

- 1) आवासीय स्थलों के इर्द-गिर्द बाग-बगीचे लगाना क्या आवश्यक है?

उत्तर : आवासीय स्थानों के इर्द-गिर्द बाग-बगीचे लगाना अत्यंत ज़्यादा है। जहाँ आबादी ज्यादा होगी वहाँ प्रदूषण भी उसी अनुपात में होगा। यदि प्रदूषण को बढ़ने से न रोका गया तो हम अपने आने वाले पीढ़ियों को बीमारियों के अतिरिक्त कुछ न दे पाएंगे। मानव अस्तित्व के लिए प्रदूषण एक बहुत बड़ा प्रश्न बनकर रह जाएगा। जहाँ घनी आबादी और जनसंख्या अधिक है ऐसे स्थानों पर बाग-बगीचों का निर्माण होने से स्थानीय लोग भ्रमण हेतु सुबह-शाम बाग में जाएंगे और बाग बगीचों में लगे पेड़-पौधे उन्हें ऑक्सीजन प्रदान करके स्वास्थ्य लाभ पहुँचाएंगे।

-
- 2) क्या हम स्वतंत्रता सेनानियों के ऋण से उन्मूढ हो सकते हैं, यदि हाँ तो कैसे?

उत्तर : इस स्वतंत्रता सेनानियों के ऋण से उन्मूढ तभी हो सकते यदि हम उनके द्वारा दिए गए बलिदान के महत्व को समझ पाएंगे और उनके द्वारा अपने प्राण देकर दी गई आज़ादी की रक्षा कर पाएंगे। आज आज़ादी मिलने के पश्चात भी हमारा देश बहुत सी समस्याओं से जूझ रहा है जिसमें से अराजकता तथा आपसी मतभेद सबसे ज्वलंत विषय हैं। इन पर आपसी प्रेम और सौहार्द से ही विजय संभव है। अतः स्वतंत्रता सेनानियों के ऋण को चुकाना तभी संभव है जब हम सब भारतीय मिलजुल कर प्रेम से रहेंगे तथा हमारी आपसी एकता हमारे देश को एकसूत्र में पिरोये रखे। किसी विदेशी ताकत का साहस नहीं पड़ना चाहिए कि वह हमारी कमज़ोरियों का लाभ उठाकर हमें कष्ट पहुँचा सके।